Zwischenprüfung im Nebenfach am 11.4.2008

Sprachen und Kulturen des Neuzeitlichen Südasiens

Klausur: 90 min

1. Übersetzen Sie den folgenden Text, entnommen S. 185f. des Aufsatzes देशी पत्रकारिता की अस्मिता का सवाल von युगेश्वर (S. 185-193 von पराड़कर और हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ। सम्पादक: अच्युतानंद मिश्र, बच्चन सिंह। वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन १९८७). Sie können ein hindi-deutsches oder ein hindi-englisches und ein englisch-deutsches Wörterbuch verwenden. **90**

1 समाचार पत्रों को चतुर्थ शक्ति कहते समय बहुत सी बातों को ध्यान में रखना होगा। पहली यह
2 कि प्रत्येक शक्ति दूसरी शक्ति से जुड़ी है। संसार में किसी की स्वतंत्र सत्ता नहीं है। प्रत्येक
3 स्वतंत्रता दूसरे की सत्ता-स्वतंत्रता से बाधित है। प्रत्येक स्वतंत्रता केवल स्वयं स्वतंत्र रहने के
4 लिए नहीं है। वह दूसरों को भी स्वतंत्र करती है। आग आग को बढ़ाती है। स्वतंत्रता स्वतंत्रता
5 को फैलाती है। निस्सीम स्वतंत्रता की इच्छा स्वतंत्रता के विरुद्ध है। दूसरी बात यह है कि
6 समाचार पत्र हमारी सामाजिक व्यवस्था के अंग हैं। वे सामाजिक व्यवस्था से उत्पन्न होते हैं।
7 बढ़ाते हैं और नियंत्रित करते हैं। निर्देश देते हैं। शिक्षित करते हैं। इस दृष्टि से वे समाज का
8 होकर भी समाज से ऊपर होते हैं। करोड़ों लोग सुबह शाम उनसे सूचना और देशना पाकर
9 अपनी बुद्धि बनाते हैं। चित्त और चेतना का निर्माण करते हैं। ... इतना सब देख, सुन और
10 पाकर समाचार पत्र का दिमाग सातवें आसमान पर जा सकता है। ... उसकी बुद्धि भ्रमित हो
11 सकती है। यह भ्रम देखा गया है।

Übersetzungshilfen: निस्सीम = नि:सीम; सूचना = Hinweis, Information; देशना = Anleitung, Unterweisung; सातवाँ = sieb(en)ter.

2. In Zeile 7 ist बढ़ते des gedruckten Texts als Druckfehler aufgefaßt und durch बढ़ाते ersetzt worden. Warum? **7**

3. In welcher Sprache erscheinen wohl die Presseerzeugnisse, die in Indien landesweit die sogenannten Entscheidungsträger am meisten beeinflussen? **3**